#DAVVPlaning युवाओं को मिलेगा तकनीकी शिक्षा के साथ रोजगार का नया प्लेटफॉर्म, पीपीपी मॉडल पर होगा निर्माण

12 एकड़ जमीन पर आइटी पार्क बनाएगा डीएवीवी

ये हैं पाठ्यक्रम

लॉन्च होंगे यूचर-रेडी व इंडस्ट्री ओरिएंटेड कोर्स

04/07/2025

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. देवी अहिल्या विश्वविद्यालय अब (डीएवीवी) अपने शैक्षणिक और तकनीकी विस्तार की दिशा में बड़ा कदम उठाने जा रहा है। विवि बड़ा बांगड़दा में अपनी 12 एकड़ जमीन पर आइटी पार्क बनाएगा। पहले इस भूमि पर मेडिकल कॉलेज, आयुष संस्थान और आर्किटेक्चर कॉलेज खोलने की योजनाएं बनी थीं, लेकिन अब समय की जरूरतों को समझते हुए डीएवीवी ने इस जमीन का उपयोग तकनीकी हब के रूप में करने का निर्णय लिया है। इस संबंध में कुलगुरु प्रो. राकेश सिंघई ने बताया, आइटी पार्क का विकास पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल पर किया जाएगा। इस परियोजना का प्रस्ताव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अपर मुय सचिव डॉ. संजय दुबे की सिफारिश पर तैयार किया था, जिसे विवि प्रशासन ने स्वीकृति दी है।

2027 में शुरू होगा मेडिकल कॉलेज

डीएवीवी 2027 से झाबुआ में मेडिकल कॉलेज शुरू करने की योजना बना रहा है। शासन ने विश्वविद्यालय को झाबुआ में जमीन आवंटित कर दी है और 300 बेड का जिला अस्पताल भी मेडिकल कॉलेज को देने की अनुमति दे दी गई है। जल्द ही विवि नेशनल मेडिकल काउंसिल से अनुमति लेकर निर्माण शुरू करेगा।

देश का पहला ज्वाइंट डिग्री प्रोग्राम

डीएवीवी और राजा मान सिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर के बीच 2 जुलाई 2025 को एक एमओयू हुआ है। यह देश का पहला ज्वाइंट डिग्री प्रोग्राम होगा, जिसके तहत दोनों विश्वविद्यालय मिलकर संगीत, नृत्य और नाट्य विधाओं में पाठ्यक्रम चलाएंगे।

- इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज द्वारा संचालित एमटेक इन कप्यूटर साइंस (5 वर्षीय इंटीग्रेटेड डुअल डिग्री प्रोग्राम)
- इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन द्वारा संचालित बीडेस इन प्रोडक्ट डिजाइन
- स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स द्वारा संचालित बीबीए इन बिजनेस डिसिजन
- स्कूल ऑफ फिजिकल एजुकेशन द्वारा संचालित मास्टर ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स (एक वर्षीय और दो वर्षीय ट्रैक के साथ)
- स्कूल ऑफ फिजिकलएजुकेशन द्वारा संचालित बैचलर ऑफ फिजिकल एजुकेशन (बीपीएड)

आइटी पार्क की पहल के साथ डीएवीवी आने वाले शैक्षणिक सत्र से कई इंडस्ट्री-ओरिएंटेड और यूचर-रेडी प्रोग्राम शुरू कर रहा है। ये कोर्स राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप तैयार किए गए हैं, जो विद्यार्थियों को उद्योग की मांगों के अनुरूप स्किल्स और ज्ञान प्रदान करेंगे।

बिडिंग प्रोसेस से होगा प्रतिष्ठित आइटी कंपनी का चयन

रिसर्च कल्चर को भी मिलगा वढ़ावा

डीएवीवी तकनीकी शिक्षा के साथ-साथ शोध संस्कृति (रिसर्च कल्चर) को भी बढ़ावा दे रहा है। कुलपति प्रो. सिंघई ने बताया, विश्वविद्यालय नई रिसर्च पॉलिसी और सुविधाओं पर काम कर रहा है। साथ ही आइआइटी जैसे तकनीकी संस्थानों के साथ भी काम करने की योजना बना रहा है।

आइटी पार्क निर्माण के लिए विश्वविद्यालय बोली प्रक्रिया (बिडिंग प्रोसेस) शुरू करेगा, जिसके माध्यम से किसी प्रतिष्ठित आइटी कंपनी को इसका कार्यभार सौंपा जाएगा। परियोजना का मुय उद्देश्य तकनीकी क्षेत्र में युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित करना और विश्वविद्यालय को आत्मनिर्भर बनाते हुए आय के नए स्रोत तैयार करना है। 1 लाख वर्गफीट शैक्षणिक उपयोग के लिए आरक्षित बड़ा बांगड़दा की 12 एकड़ भूमि में से 1 लाख वर्गफीट क्षेत्र को शैक्षणिक उपयोग के लिए सुरक्षित रखा है। इस हिस्से में डीएवीवी बैचलर ऑफ आर्किटेक्चर (बीआर्क) और बैचलर ऑफ डिजाइन (बीडेस) जैसे कोर्स शुरू करेगा। शेष भूमि पर आइटी पार्क बनेगा, जो टेक्नोलॉजी स्टार्टअप्स, इनोवेशन लैब्स, को-वर्किंग स्पेस और स्किलिंग सेंटर्स का केंद्र बनेगा। प्रो. सिंघई के अनुसार, यह आइटी पार्क विद्यार्थियों के लिए इंडस्ट्री इंटरफेस का भी काम करेगा, जिससे वे पढ़ाई के दौरान ही इंडस्ट्री की मांगों को समझ सकें।